NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 17
Chapter Name : संस्कृति

Q1 लेखक की दृष्टि में 'सभ्यता' और 'संस्कृति' की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है?
Answer.
लेखक की दृष्टि में ' सभ्यता' और 'संस्कृति' की सही समय तक इसलिए नहीं बन पाई है क्योंकि इनका प्रयोग बहुत अधिक होता है और वह भी बहुत से अर्थों में। इनके साथ अनेक विशेषण लग जाते हैं जैसे भौतिक सभ्यता और अध्यात्मिक सभ्यता, मुस्लिम संस्कृति। विशेषण लगने के कारण यह समझ नहीं आता कि इन दोनों में क्या अंतर है।

Page :- 130, Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q2 आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है?इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे?
Answer.
आपकी खोज एक बहुत बड़ी खोज इसलिए मानी जाती है क्योंकि उस समय मनुष्य में बुद्धि शक्ति का अधिक विकास नहीं हुआ था। समय की दृष्टि से बहुत बड़ी खोज थी।
संभवत: आग की खोज का मुख्य कारण पेट की भूख तथा रोशनी की जरूरत रही होगी।

Page :- 130 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q3 वास्तविक अर्थों 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है?
Answer.
वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' वह है जिसमें अपनी बुद्धि तथा योग्यता के बल पर कुछ नया करने की क्षमता हो। जिस व्यक्ति में ऐसी बुद्धि तथा योग्यता जितनी अधिक मात्रा में होती वह व्यक्ति उतना ही अधिक संस्कृत होगा।

Page :- 131 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q4 न्यूटन को संस्कृत मानव कहने के पीछे कौन से तर्क दिए गए हैं? न्यूटन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों एवं ज्ञान की कई दूसरी बारीकियों को जानने वाले लोग भी न्यूटन की तरह संस्कृत नहीं कहला सकते, क्यों?
Answer.
न्यूटन ने अपनी बुद्धि शक्ति से गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया इसलिए उसे संस्कृत मानव कहा जाता है। जो व्यक्ति अपनी बुद्धि और विवेक के द्वारा किसी भी नए तथ्य का आविष्कार करता है उसे संस्कृत मानव कहा जाता है। उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई हो वह अपने पूर्वज की भांति संस्कृत नही कहा सकता है। हम उसे सभ्य कह सकते हैं।

aglasem.com

Page :- 131 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q5 किन महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुई-धागे का आविष्कार हुआ होगा?
Answer.
मनुष्य ने शरीर को ढकने तथा सर्दियों में ठंड से बचने के लिए सुई धागे का आविष्कार किया होगा। कपड़े की दो टुकड़ों को एक करके जोड़ने के लिए सुई धागे का अविष्कार हुआ होगा।

Page :- 131 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q6 मानव संस्कृत एक अविभाज्य वस्तु है। किन्हीं दो प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जब -
(क) मानव संस्कृति को विभाजित करने की चेष्टाएँ की गई।
(ख) जब मानव संस्कृति ने अपने एक होने का प्रमाण दिया।

Answer.
(क) मानव संस्कृति को विभाजित करने की चेष्टाएं की गई:-
*हिटलर के आक्रमण के कारण मानव संस्कृति खतरे में पड़ गई।
*जब मानव संस्कृति को धर्म के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा की गई।
(ख) जब मानव संस्कृति ने अपने एक होने का प्रमाण दिया:-
*सिद्धार्थ ने अपना घर केवल मानव कल्याण के लिए छोड़ दिया।
*संसार के मजदूरों को सूखी देखने के लिए कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुख में बिता दिया।

aglasem.com

Page :- 131 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q7 आशय स्पष्ट कीजिए -
(क) मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति?
Answer.
मानव की जो योग्यता उसमें आत्म विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है उसे हम और संस्कृति कहेंगे क्योंकि जिस संस्कृति का संबंध मानव कल्याण से नहीं होता वह संस्कृति होती है। जब अविष्कार करने की योग्यता का उपयोग विनाश करने के लिए किया जाता है तब असंस्कृति बन जाती है।

Page :- 131, Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q8 लेखक ने अपने दृष्टिकोण से सभ्यता और संस्कृति की एक परिभाषा दी है।आप सभ्यता और संस्कृति के बारे में क्या सोचते हैं, लिखिए।
Answer.

सभ्यता और संस्कृति का प्रयोग अनेक अर्थों में किया जाता है। इससे प्रेरित होकर हम अपने जीवन को सही दिशा प्रदान कर सकते हैं।

Page :- 131, Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q9 निम्नलिखित सामासिक पदों का विग्रह करके समास का भेद भी लिखिए -

गलत-सलत आत्म-विनाश
महामानव पददलित
हिंदू-मुसलिम यथोचित
सप्तर्षि सुलोचना

Answer.

(1) गलत-सलत - गलत और सलत (द्वंद समास)
(2) महामानव - महान है जो मानव (कर्म धारय समास)
(3) हिंदू-मुसलिम - हिंदू और मुसलिम (द्वंद समास)
(4) सप्तर्षि - सात ऋषियों का समूह (द्विगु समास)
(5) आत्म-विनाश - आत्मा का विनाश (तत्पुरुष समास)
(6) पददलित - पद से दलित (तत्पुरुष समास)
(7) यथोचित - जो उचित हो (अव्ययीभाव समास)
(8) सुलोचना - सुंदर लोचन है जिसके (कर्मधारय समास)

Page :- 131 , Block Name :- भाषा अध्ययन

aglasem.com